

आजाद सिपाही



कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केसः बंगाल से दिल्ली तक विरोध तीन लाख डॉक्टर हड़ताल पर

- ममता बोलीं, 18 अगस्त तक पुलिस मामला हल नहीं कर पायी, तो जांच सीबीआइ को सौंपेंगे



हड़ताल पर गये डाक्टरों की मांगें

- मामले को बिना दीरी किये सीबीआइ के हड़ताल किया जाए।
- प्रिसिपल के साथ-साथ एमएस और अल्पताल के सिक्योरिटी इंवॉर्ज का तुरंत इस्तीफा लिया जाए।
- केंद्र सरकार से लिखित में यह आशासन मिले कि डाक्टरों के लिए सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जायेगा।
- मुक्त डॉक्टर के नाम पर किसी मेडिकल कॉलेज की विडिंग या लाइसेंस नहीं दी जाए।
- डॉक्टर के परिवार को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए।
- शारीरिक हमले के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करें।

की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि अगस्त पुलिस 18 अगस्त तक मामले को हल नहीं कर सकती, तो जांच सीबीआइ को मांग सकती है। जब तक लिखित आशासन नहीं मिलता, हड़ताल आशासन की तरफ है कि जारी रखेंगे। उधर, पश्चिम बंगाल कोलकाता के आरजेकर मेडिकल कॉलेज को लिखित अस्पताल में 8 अगस्त की तरह सख्त मिलाने के लिए उसके जूते घर खून के निशान मिले हैं। पुलिस ने घटना वाली रात इन्हीं पर तैनात तीन डॉक्टरों और एक कर्मी को पछाला छोड़ दिया है। उसकी मुंह से खून बह रहा था। उसकी

मेडिकल कॉलेज के प्रिसिपल ने इस्तीफा दिया

आरजेकर मेडिकल कॉलेज के प्रिसिपल डॉ संदीप धोष ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेनी डॉक्टर मेरी बेटी की हत्या थी। सोशल मीडिया पर मेरी बदलाई हो रही है। मैं नहीं चाहता कि कभी किसी और के साथ ऐसा हो। इसलिए मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया।

गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई पायी गयी थी। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार सुबह ट्रेनी डॉक्टर के घर पहुंची। ममता ने उसके माता-पिता और परिवार के सदस्यों से बात की। आरोपी ने शराब पीने के बाद रेप-मर्डर किया : कोलकाता पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी संजय रॉय ने 8 अगस्त की रात वारात से पहले अस्पताल के पीछे शराब पी थी। डॉक्टर से रेप और मर्डर के बाद वह घर जाकर सो गया था। उसके जूते पर खून के निशान मिले हैं। फिर कैदी वार्ड में डॉक्टरों के दरवाजे को हथकड़ी से लॉक कर फरार हो गया। वह 25 जुलाई से कैदी वार्ड में इलाजतर था। फरार होनेवाले कैदी का नाम शाहिद अंसरी (41) है। वह धनबाद के चास नाला का रहनेवाला है। वहाँ, मृतक हवलदार के बेंगाबाद निवासी चोहान हेमेशा है। बेंगाबाद के घर रवाना कर रहा था। उसमें भी कोई बीमारी नहीं पायी गयी। पिर मेडिकल बोर्ड ने उसे शनिवार को रिस्म रेफर कर दिया था। रिस्म जाने से पहले उसने इस घटना को अंजाम दिया और फरार हो गया।

लाती लेकर घलनेवाला कैदी, दे पैरों पर भागा



स्पाइल की समस्या कह कर रहा था इलाज

अपराधी शादि 25 जुलाई से कैदी वार्ड में भर्ती था। कैदी के शरीर के दाहिने हिस्से में छिन्नझाँझी की शिकायत कर रहा था। एम्स में इलाज कराने के लिए आवेदन दिया था। उसके आवेदन को अस्थिकर करने हुए हजारीबाग शेख खियारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया था।

पिछले 18 दिनों से अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा था।

पिकिट्सकों ने जांच में किसी भी तरह की बीमारी नहीं निकलने के बाद एमआरआइ जांच भी कराया गया था। उसमें भी कोई बीमारी नहीं पायी गयी। पिर मेडिकल बोर्ड ने उसे शनिवार को रिस्म रेफर कर दिया था। रिस्म जाने से पहले उसने इस घटना को अंजाम दिया और फरार हो गया।

लाती लेकर घलनेवाला कैदी, दे पैरों पर भागा

चिकित्सकों के मुताबिक वह स्पाइल ग्रॉबलम बताकर अस्पताल में एक्सिट हुआ था। जिसमें फूट झूप का प्रॉब्लम था। एक पैर काम नहीं कर रहा था, जिससे वह लाठी से चल रहा था। जबकि भागने के समय बिल्कुल स्वरूप तरीके से बगर लाठी के भाग है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह इन्हीं बीमारी का बाना बना रहा था। आशंका जाती है कि इस तरह से भागने की जोखी उसने जेल में ही बना ली थी।

घटना के बाद हजारीबाग पर पहुंचे। पूरे मामले की

पिकिट्सकों ने जांच में खोल दिया। फरार होनेवाले को बाद के बाद एसटीओ शैलेश कुमार, सीओ, कैदी को गिरफतार करने के लिए सदर थाना प्रभारी और फारोंसिक पूरे इलाके में ऑपरेशन चलाया गया।

जिन्होंने घालिया में ही 15 दिन की

जिम्मेदारी ले लिया। खुशबू खुद के 40

बीच जीमीन के साथ अस्पताल के

15 से 20 गांवों के किसानों के खेतों में ड्रोन के जरिए छिक्काक का छिक्काक करने जाती है। इलाके में इस किसान महिला को 'ड्रोन दीदी' के नाम से बुलाते हैं।

चंबल इलाका जहां महिलाओं को घर से बाहर जाने की जिजात नहीं है, लेकिन इस इलाके में महिलाएं खेतों के जरिए इस चंबल का नाम देश भर में रोशन कर रही हैं और ऐसी ही दो किसान महिला सुनीता शर्मा और खुशबू लोधी हैं।

जिन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद अपना मिशन शुरू किया।

जिन्होंने घालिया में ही 15 दिन की

जिम्मेदारी ले लिया। खुशबू खुद के 40

बीच जीमीन के साथ अस्पताल के

15 से 20 गांवों के किसानों के खेतों में ड्रोन के जरिए छिक्काक का छिक्काक करने जाती है। इलाके में इस किसान महिला को 'ड्रोन दीदी'

के नाम से बुलाते हैं।

चंबल की ड्रोन दीदी को मोदी लालकिला से करेंगे सम्मानित

मुरैना (आजाद सिपाही) : चंबल के मुरैना जिले में रहने वाली किसान महिला सुनीता शर्मा और खुशबू लोधी अपने हुनर से अधिनिक खेतों किसानों को सपोर्ट को साकार कर रही हैं। इन दोनों किसान महिलाओं के हुनर के पीएम रेंजर मोदी भी मुरीद हो गए हैं। चंबल की दोनों 'ड्रोन बुमें' को पीएम नंदें 15



अगस्त को दिल्ली के लालकिले से

सम्मानित करेंगे।

मध्य प्रदेश के

चंबल इलाका जहां महिलाओं को

घर से बाहर जाने की जिजात नहीं

मिलती है, लेकिन इस इलाके में

महिलाएं खेतों के जरिए इस

चंबल के बाद वह लाठी के भाग है।

जिसका बाद वह लाठी के बाद

स्वरूप तरीके से बगर लाठी के भाग है।

जिसका बाद वह लाठी के बाद

खुशबू खुद के 40

बीच जीमीन के साथ अस्पताल के

15 से 20 गांवों के किसानों के खेतों में ड्रोन के जरिए छिक्काक का छिक्काक करने जाती है। इलाके में इस किसान महिला को 'ड्रोन दीदी'

के नाम से बुलाते हैं।

जिन्होंने घालिया में ही 15 दिन की

जिम्मेदारी ले लिया। खुशबू खुद के 40

बीच जीमीन के साथ अस्पताल के

15 से 20 गांवों के किसानों के खेतों में ड्रोन के जरिए छिक्काक का छिक्काक करने जाती है। इलाके में इस किसान महिला को 'ड्रोन दीदी'

के नाम से बुलाते हैं।

जिन्होंने घालिया में ही 15 दिन की

जिम्मेदारी ले लिया। खुशबू खुद के 40

बीच जीमीन के साथ अस्पताल के

15 से 20 गांवों के किसानों के खेतों में ड्रोन के जरिए छिक्काक का छिक्काक करने जाती है। इलाके में इस किसान महिला को 'ड्रोन दीदी'

के नाम से बुलाते हैं।

जिन्होंने घालिया में ही 15 दिन की

जिम्मेदारी ले लिया। खुशबू खुद के 40

बीच जीमीन के साथ अस्पताल के

</div



निरसा विधानसभा सीट भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

अपर्णा सेनगुप्ता को सीट बचाने के लिए करनी होगी कड़ी मेहनत

झारखंड में विधानसभा चुनाव -2024 की आहट तेज है, इसी साल चुनाव होने हैं। तीन महीने का समय बचा है। इस लियाज से सतारूढ़ इंडिया गठबंधन के घटक दल सत्ता में पुनः वापसी के लियाज कर कर रहे हैं तो विपक्ष एनडीए गठबंधन के सतारूढ़ इंडिया गठबंधन को उत्खाड़ फेंकने की इच्छा बनाने और उस पर अमल करने की जदोजहाड़ में जुटा है। महाभारत युद्ध की तरह एनडीए और इंडिया गठबंधन ने एक-दूसरे के खिलाफ त्यूह रचना की तैयारी शुरू कर दी है। आज सौंच त्यूह है, तो आसान से देखने पर क्रौंच पशी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसान से देखने पर एक धूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखायी देती है। आप साचे रहे होंगे कि महाभारत के त्यूह की बात क्यों कह रहे हैं। दरअसल, साल 2024 के अंत तक होनेवाला झारखंड विधानसभा चुनाव इतना महत्वपूर्ण है कि सतारूढ़ इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन, दोनों ही इस चुनाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं। झारखंड की सत्ता के महाभारत में सतारूढ़ जेएमएम-कांग्रेस-राजद-माले आकामक तेवर के साथ एक-एक विधानसभा सीट की गणित को बारीकी से

हतो वा प्रायसि स्वर्गम, जित्वा वा भोक्त्वे महिम। तत्पात उत्तिष्ठ कीतैय युद्धाय कृतनिश्चयः॥

श्री मदभगवत् गीता के द्वितीय अध्याय, श्लोक 37 में भगवन् श्रीकृष्ण ने कहा है कि जीवन के संघर्ष से वधवाने से नहीं, अपितु उसका विधानसभा में अपस्तुता मिलती है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा है कि कर्म के युद्ध में वदि तुम (अर्जुन) वीरगति को प्राप्त होते हो, तो तुम्हें स्वर्यं मिलेगा और यदि विजयी होते हो, तो धर्ती का सुख पा जाओगे... इसलिए उठो, है कीतैय (अर्जुन), और निश्चय करके युद्ध करो।

निरसा विधानसभा सीट सीट ही और यह एक सामान्य प्रतीकी की विधानसभा सीट है। झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित धनबाद के निरसा विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 1957 से लेकर साल 2019 तक वामदल का जीवा रहा है। वामदल के अपर्णा सेनगुप्ता विधायक बनते रहे हैं। साल 2019 में पहली बार यहाँ कमल खिला और भाजपा से अपर्णा सेनगुप्ता विधायक बनीं। यानी कि 32 प्रतिशत मतदाता हैं। यानी करीब 1.2 लाख एससी/एसटी मतदाता निरसा विधानसभा क्षेत्र में हैं। वहाँ निरसा विधानसभा में युस्लिम मतदाताओं की संख्या 14.4 प्रतिशत यानी करीब 45-50 हजार मतदाता हैं। निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायिका यानी करीब 25-30 हजार, सिंह मतदाताओं की संख्या करीब 17 हजार, मंडल मतदाताओं की संख्या 16 हजार, महतो 11 हजार, गोराई 10 हजार, रे 8 हजार, यादव 7 हजार, दास 6 हजार, प्रसाद 5 हजार, शर्मा 5 हजार हैं। वहाँ निरसा विधानसभा क्षेत्र में मरांडी 7 हजार, मुरू 6 हजार, हेक्सम 5 हजार, टुड़ 5 हजार तथा माङ्झी-मुसहर मतदाताओं की संख्या 5 हजार है। जबकि, हांसदा, किस्कु 3-3 हजार मतदाता हैं। इसके अलावा निरसा विधानसभा में भुज्या, गोप, मोदी मतदाताओं की संख्या भी 5-5 हजार है। जबकि, रवानी, कुमार, पासवान, ठाकुर, रविदास आदि कुल 17-20 हजार मतदाता हैं।

निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायक बनीं। यानी कि विधायिका यानी करीब 1.2 लाख एससी/एसटी मतदाता निरसा विधानसभा क्षेत्र में हैं। वहाँ निरसा विधानसभा में युस्लिम मतदाताओं की संख्या 14.4 प्रतिशत यानी करीब 45-50 हजार मतदाता हैं। निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायिका यानी करीब 25-30 हजार, सिंह मतदाताओं की संख्या करीब 17 हजार, मंडल मतदाताओं की संख्या 16 हजार, महतो 11 हजार, गोराई 10 हजार, रे 8 हजार, यादव 7 हजार, दास 6 हजार, प्रसाद 5 हजार, शर्मा 5 हजार हैं। वहाँ निरसा विधानसभा क्षेत्र में मरांडी 7 हजार, मुरू 6 हजार, हेक्सम 5 हजार, टुड़ 5 हजार तथा माङ्झी-मुसहर मतदाताओं की संख्या 5 हजार है। जबकि, हांसदा, किस्कु 3-3 हजार मतदाता हैं। इसके अलावा निरसा विधानसभा में भुज्या, गोप, मोदी मतदाताओं की संख्या भी 5-5 हजार है। जबकि, रवानी, कुमार, पासवान, ठाकुर, रविदास आदि कुल 17-20 हजार मतदाता हैं।

निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायक बनीं। यानी कि विधायिका यानी करीब 1.2 लाख एससी/एसटी मतदाता निरसा विधानसभा क्षेत्र में हैं। वहाँ निरसा विधानसभा में युस्लिम मतदाताओं की संख्या 14.4 प्रतिशत यानी करीब 45-50 हजार मतदाता हैं। निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायिका यानी करीब 25-30 हजार, सिंह मतदाताओं की संख्या करीब 17 हजार, मंडल मतदाताओं की संख्या 16 हजार, महतो 11 हजार, गोराई 10 हजार, रे 8 हजार, यादव 7 हजार, दास 6 हजार, प्रसाद 5 हजार, शर्मा 5 हजार हैं। वहाँ निरसा विधानसभा क्षेत्र में मरांडी 7 हजार, मुरू 6 हजार, हेक्सम 5 हजार, टुड़ 5 हजार तथा माङ्झी-मुसहर मतदाताओं की संख्या 5 हजार है। जबकि, हांसदा, किस्कु 3-3 हजार मतदाता हैं। इसके अलावा निरसा विधानसभा में भुज्या, गोप, मोदी मतदाताओं की संख्या भी 5-5 हजार है। जबकि, रवानी, कुमार, पासवान, ठाकुर, रविदास आदि कुल 17-20 हजार मतदाता हैं।

निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायक बनीं। यानी कि विधायिका यानी करीब 1.2 लाख एससी/एसटी मतदाता निरसा विधानसभा क्षेत्र में हैं। वहाँ निरसा विधानसभा में युस्लिम मतदाताओं की संख्या 14.4 प्रतिशत यानी करीब 45-50 हजार मतदाता हैं। निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायिका यानी करीब 25-30 हजार, सिंह मतदाताओं की संख्या करीब 17 हजार, मंडल मतदाताओं की संख्या 16 हजार, महतो 11 हजार, गोराई 10 हजार, रे 8 हजार, यादव 7 हजार, दास 6 हजार, प्रसाद 5 हजार, शर्मा 5 हजार हैं। वहाँ निरसा विधानसभा क्षेत्र में मरांडी 7 हजार, मुरू 6 हजार, हेक्सम 5 हजार, टुड़ 5 हजार तथा माङ्झी-मुसहर मतदाताओं की संख्या 5 हजार है। जबकि, हांसदा, किस्कु 3-3 हजार मतदाता हैं। इसके अलावा निरसा विधानसभा में भुज्या, गोप, मोदी मतदाताओं की संख्या भी 5-5 हजार है। जबकि, रवानी, कुमार, पासवान, ठाकुर, रविदास आदि कुल 17-20 हजार मतदाता हैं।

निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायक बनीं। यानी कि विधायिका यानी करीब 1.2 लाख एससी/एसटी मतदाता निरसा विधानसभा क्षेत्र में हैं। वहाँ निरसा विधानसभा में युस्लिम मतदाताओं की संख्या 14.4 प्रतिशत यानी करीब 45-50 हजार मतदाता हैं। निरसा विधानसभा में युस्लिम विधायिका यानी करीब 25-30 हजार, सिंह मतदाताओं की संख्या करीब 17 हजार, मंडल मतदाताओं की संख्या 16 हजार, महतो 11 हजार, गोराई 10 हजार, रे 8 हजार, यादव 7 हजार, दास 6 हजार, प्रसाद 5 हजार, शर्मा 5 हजार हैं। वहाँ निरसा विधानसभा क्षेत्र में मरांडी 7 हजार, मुरू 6 हजार, हेक्सम 5 हजार, टुड़ 5 हजार तथा माङ्झी-मुसहर मतदाताओं की संख्या 5 हजार है। जबकि, हांसदा, किस्कु 3-3 हजार मतदाता हैं। इसके अलावा निरसा विधानसभा में भुज्या, गोप, मोदी मतदाताओं की संख्या भी 5-5 हजार है। जबकि, रवानी, कुमार, पासवान, ठाकुर, रविदास आदि कुल 17-20 हजार मतदाता हैं।

निरसा विधानसभा क्षेत्र में तीन वर्षों के पश्चात् यह जनता को तय करना है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि निरसा में कई समस्याओं को अब तक नहीं किया गया है। जबकि, एनडीए के अखिल विधायिका यानी करीब 1 लाख 40 हजार वोट दिया था और उन्होंने अपर्णा सेनगुप्ता को अखिल विधायिका यानी करीब 61.39 वानी करीब 2 लाख दिया है। प्रत्याशियों की जीत हार का अखिल विधायिका यानी करीब 61.39 वानी करीब 2 लाख 40 हजार वोट दिया था। ग्रामीण क्षेत्रों में बंपर वोटिंग देखने को मिली, जिसका फैसला ग्रामीण वोटों के हाथों में रहता है। बीते लोकसभा चुनाव के दूसरे दिन भाजपा ने आजादी विधायिका यानी करीब 1 लाख 29 हजार के वोटों में भाजपा ने आजादी विधायिका यानी करीब 1 लाख 40 हजार वोट दिया है। यह जनता को तय करना है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि निरसा में कई समस्याओं को अब तक नहीं किया गया है। जबकि, एनडीए के अखिल विधायिका यानी करीब 1 लाख 40 हजार वोट दिया था और उन्होंने अपर्णा सेनगुप्ता को अखिल विधायिका यानी करीब 61.39 वानी करीब 2 लाख 40 हजार वोट दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बंपर वोटिंग देखने को मिली, जिसका फैसला ग्रामीण वोटों के हाथों में रहता है। बीते लोकसभा चुनाव के दूसरे दिन भाजपा ने आजादी विधायिका यानी करीब 1 लाख 29 हजार के वोटों में भाजपा ने आजादी विधायिका यानी करीब 1 लाख 40 हजार वोट दिया है। यह जनता को तय करना है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि निरसा में कई समस्याओं को अब तक नहीं किया गया है। जबकि, एनडीए के अखिल विधायिका यानी करीब 1 लाख 40 हजार वोट दिया था और उन्होंने अपर्णा सेनगुप्ता को अखिल विधायिका यानी करीब 61.39 वानी करीब 2 लाख 40 हजार वोट दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बंपर वोटिंग देखने को मिली, जिसका फैसला ग्रामीण वोटों के हाथों में रहता है। बीते लोकसभा चुनाव के दूसरे दिन भाजपा ने आजादी विधायिका यानी करीब 1 लाख 29 हजार के वोटों में भाजपा ने आजादी विधायिका यानी करीब 1 लाख 40 हजार वोट दिया है। यह जनता को तय करना है। लेकिन सच्चाई

संपादकीय

बेहतर हुए रिश्ते

वि देश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां ग्राफ्टपैट मोहम्मद मुइज़ज़ का जैसा दोस्ताना रवैया दिखा, उसे भावनात्मक राजसीति के तकाजों पर कूर्तीती की ठास बढ़ीकों की जीत के रूप में रेखांकित किया जा सकता है। पिछले करीब एक साल की अवधि में दोनों देशों के रिश्तों ने तो हिचकोले खेये ही, एक देश के रूप में भी मालदीव कई कड़वे अनुभवों से गुज़रा। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से मानी जा सकती है, जिसमें एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज़ज़ ने भारत विरोधी भावनाओं पर दाव लगाया था। वह बार-बार सरकारी तौर पर यह सकल्प करते देखे गये कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको यह कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदी सांकेतिक ही थी। चुनावों के दौरान ही यह सफ हो गया था कि मुइज़ज़ भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूसरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में कराना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज़ज़ के बयानों में हल्की सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन

भारत के सहयोग से घलनेवाले इनप्रॉजेक्ट्स और हेल्प, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अपर ने लटका दिखायी देने लगा। मुइज़ज़ सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी।

रिश्तों में धीरे-धीरे बनता तानाव अचानक बेकाबू हो गया। सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालदीव का हैशट्रैट ट्रैक करने लगा। मालदीव की नवी सरकार के रुख को देखें हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अधिकार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से लुट्रिंग्स की बिताने मालदीव जाने वाले ट्रैफिक्स की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय ट्रैफिक्स की संख्या में 42% की कटौती दर्ज की गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में ट्रैफिक का योगांक 30% है। इन्हाँ ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इनप्रॉजेक्ट्स और हेल्प, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखायी देने लगा। मुइज़ज़ सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज़ज़ सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन सकेतों का समान किया। नतीजा यह कि वे पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटे दिख रहे हैं।

अभिमत आजाद सिपाही

पिछले 2 वित्तीय वर्षों में आवास क्षेत्र का बकाया ऋण लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। मार्च 2024 के लिए बैंक ऋण की क्षेत्रीय तैनाती पर भारतीय रिञ्जर बैंक (आरबीआइ) के अनुसार मार्च 2024 में आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) पर बकाया ऋण 27,22,720 करोड़ रुपये। समग्र आवास वित के साथ जारी रहने की प्रवृत्ति की तीव्र मांग के समर्थन से निकट-से-मध्यम अवधि में सालाना 12-14 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

भारतीयों में घर के स्वामित्व के प्रति बढ़ती भूख

एससी ढल

आवास क्षेत्र के ऋणों में वृद्धि न केवल एक मजबूत विकास प्रक्षेपक को दर्शाती है, बल्कि भारतीय उपभोक्ताओं के बीच गृह स्वामित्व के लिए बढ़ती भूख को भी दर्शाती है। पिछले 2 वित्तीय वर्षों में आवास क्षेत्र का बकाया ऋण लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। मार्च 2024 के लिए बैंक ऋण की क्षेत्रीय तैनाती पर भारतीय रिञ्जर बैंक (आरबीआइ) के अनुसार मार्च 2024 में आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) पर बकाया ऋण 27,22,720 करोड़ रुपये था। मार्च 2023 में 19,88,532 करोड़ रुपये और मार्च 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपये। समग्र आवास वित के साथ जारी रहने की प्रवृत्ति की तीव्र मांग के समर्थन से निकट-से-मध्यम अवधि में सालाना 12-14 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

भारत में कृषि क्षेत्र के बाद दियल एस्टेट क्षेत्र दूसरा सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वाला क्षेत्र है। यह भी उम्मीद थी कि इस क्षेत्र में अल्पावधि और दैर्घ्यकालिक दोनों में अधिक अनिवासी भारतीय (एनआरआइ) निवेश आयेगा। एनआरआइ के लिए बैंगलूरु परसंदीदा संपत्ति निवेश गंतव्य होने की उम्मीद थी, इसके बाद अहमदाबाद, पुणे, घेळन्डी और नोंबरदी के कारण पैदा हुए व्यवधानों के अलावा क्षेत्र में विश्वास की कमी का सामना करना पड़ा क्योंकि कई डिवैल्पर्स ने ग्राहकों से पैसे लेने के बाद परियोजनाएं वितरित नहीं की।

गढ़वा

बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में एटी रैगिंग पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन



गढ़वा (आजाद सिपाही)। सोमवार को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित गुरुपद संभव राम जी ऑडिटोरियम में एटी रैगिंग पर अभिविन्यास कार्यक्रम और वशा मुक्त भारत अभियान का शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एम्के सिंह, कुलसचिव डॉ. ललन कुमार, परीक्षा नियंत्रक एनके मिश्न तथा विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य निसमें डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. सुनीता गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर दिया गया। इस कार्यक्रम में विविध कार्यक्रमों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. मनीष दुबे, दिव्या तिरु आदि तथा वाननंद एकुकेशन एंड वेलफर ट्रस्ट के प्राचार्यों में सुनारा कुमार, राकेश, केसरी एस्के अंड्रेज़ा, हिमांशु, संतोष ठाकुर कुमार आदि तथा सभी महाविद्यालयों के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं और शिक्षकों के बीच एक अभियान हो रहा।

मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने हर घर तिरंगा वितरण की शुरुआत की



भंडरिया (आजाद सिपाही)। मेदिनी नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने सोमवार को भंडरिया प्रखंड मुख्यालय के भाजपा कार्यालय से कार्यकर्ताओं के साथ दुकानदार समेत हर घर तिरंगा वितरण का कार्यक्रम जारी बाजे के साथ किया। मेदिनीनगर प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने इस कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र माध्यम से आप हम भाजपा के सिपाही एक-एक घर तिरंगा वितरण का कार्य कर रहे हैं। ताकि हमारे देश की शान दिखाएं हर घर में लहरा सके को लेकर डाल्टनगढ़ भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के सरईही पिपाख खजूरी भंडरिया गांव के घरों में तिरंगा झंडा का वितरण का कार्य कर रहे हैं ताकि लोग घर घर तिरंगा लगा सकें। साथ ही भुइंदर समाज के लोगों से निलंठे हुए अंग वस्त्र देकर सम्मानित करने का कार्य किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर सांसद प्रतिनिधि रूप निर्सी सिंह सुना रामचंद्र मंडल अध्यक्ष अनिल केसरी राजेश्वर कुमार, राकेश, केसरी एस्के अंड्रेज़ा, हिमांशु, संतोष ठाकुर कुमार आदि तथा सभी महाविद्यालयों के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं और शिक्षकों के बीच एक अभियान हो रहा।

विद्या मंदिर के बच्चों ने राजा पहाड़ी पर किया सेवा कार्य



श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। सरस्वती विद्या मंदिर श्री बंशीधर नगर के कक्षा नवम और दशम के भैया द्वारा राजा पहाड़ी पर सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्याचर रविंद्रित पाठक ने बताया कि इस तरह के कार्य द्वारा बच्चों में सेवा का भाव पैदा होता है। बच्चों द्वारा मंदिर परिसर में गिरे पड़े पलासिक की धैरी धास आदि की सफाई की। इस कार्य में विद्यालय के आचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव, नीरज सिंह और अविनाश कुमार की सहभागिता रही।

आक्रोशित जल सहिया पेयजल और स्वच्छता विभाग कार्यालय पहुंची, स्पष्टीकारण का जवाब दिया



गढ़वा (आजाद सिपाही)। पेयजल और स्वच्छता विभाग के द्वारा जिले भर के जल सहिया से पूछे गये विभागीय स्पष्टीकरण पर आक्रोशित सैक्षणी की संख्या में जल सहिया पेयजल और स्वच्छता विभाग कार्यालय पर पहुंचे तथा स्पष्टीकरण का जवाब सामन्वित तोर पर लिखित रूप से दिया। जल सहिया संर्वेष समिति का प्रतिनिधि मंडल पेयजल और स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रतीप कुमार सिंह से मुलाकात कर विषय बिंदु पर वारांत बिंदु किया। जल सहिया की बातों को सुनकर सकारात्मक आश्वासन कार्यपालक अभियंता को दिया और कहा कि सभी जल सहिया जागरूक होकर अपना कर्तव्य अनुसार कार्य करें विषय का बोरो द्वारा सहयोग मिलेगा। नोके पर जल सहिया संस्थान समिति के संरक्षक सूरज गुप्ता ने कहा कि जल सहिया केंद्र और राज्य के योजनाओं को जमीन पर उतारने में जी जान लगती है उसके बदले उन्हें वेतनमान मिलना चाहिए था, परन्तु इनके साथ अन्यथा हो रहा है। मोके पर जिला अध्यक्ष मालती देवी, महासचिव रेखा देवी, आयोश्य सुनीता देवी, एशा देवी, अनीता देवी, कनकलता मध्य, अर्णव, सविता, संजू रीना देवी सहित बड़ी संख्या में जल सहिया उपस्थित थी।

सावन की धैरी सोमवारी पर शिवालयों में लगी रुही भक्तों की भीड़

मेरान (आजाद सिपाही)। पवित्र सावन महीने के धैरी सोमवार पर प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में महादेव के भक्तों की भीड़ भर रही रुही। वही मेरान के प्रसिद्ध व्यवसायी धैरीदंड विद्यालय के कई सदस्य शमिल थे। इसी तरह सभी मंदिरों में 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के गंगबोदी जयकारों से वातावरण गुज़ता रहा, जो हर भक्त के दिल में शिवभक्ति की भावना को और बढ़ा रहा था।

रमना में तिरंगा फहराने को लेकर समय का निर्धारण

रमना (आजाद सिपाही)। रमना प्रखंड कार्यालय के सभागर भवन में स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय महापर्व के लिए बड़ी वासुदेव राय के अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रखंड के सरकारी कार्यालय व संस्थानों में डॉ. अंडोलतोलन को लेकर समय का निर्धारण किया गया। जिसमें प्रखंड कार्यालय पर 8:15 बजे, थाना परिसर रमना में 8:45 बजे, धौली कार्यालय में 9 बजे, मध्य विद्यालय सिलादार एक 9:20 बजे, लालिका उच्च विद्यालय रमना 9:30 बजे, राजकीय कृषि परस्तुरा यात्रा सोनी थाना प्रभारी असफ़क आलम, उप प्रमुख खट्टी यात्री वासुदेव राय प्रखंड समन्वयक विकास कुमार, रूपेश कुमार, विद्यालय प्रतिनिधि रूपनारायण यादव, सांसद प्रतिनिधि प्रभारी कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

साढ़े चार वर्षों में विकास का कीर्तिमान स्थापित किया है गढ़वा ने : मंत्री मिथिलेश

मंत्री ने विभिन्न गांवों में जनसंवाद कर सुनी गामीणों की समस्या, किया निदान

आजाद सिपाही संवाददाता



गढ़वा। गढ़वा विधायक ज्ञारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग के लिए एक अभियान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एम्के सिंह, कुलसचिव डॉ. ललन कुमार, परीक्षा नियंत्रक एनके मिश्न तथा विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. सुनीता गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर दिया गया। इस कार्यक्रम में विविध कार्यक्रमों के लिए एक संस्कृत विभाग और विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. धौली कार्यालय के लिए एक अभियान हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. धौली कार्यालय के लिए एक अभियान किया है।

मंत्री परम्परा गांवों में जनसंवाद कर सुनी गामीणों की समस्या, किया निदान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक ज्ञारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग के लिए एक अभियान हो रहा है। इस कार्यक्रम में विविध कार्यक्रमों के लिए एक संस्कृत विभाग और विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. धौली कार्यालय के लिए एक अभियान हो रहा है।

मंत्री परम्परा गांवों में जनसंवाद कर सुनी गामीणों की समस्या, किया निदान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक ज्ञारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग के लिए एक अभियान हो रहा है। इस कार्यक्रम में विविध कार्यक्रमों के लिए एक संस्कृत विभाग और विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. धौली कार्यालय के लिए एक अभियान हो रहा है।

मंत्री परम्परा गांवों में जनसंवाद कर सुनी गामीणों की समस्या, किया निदान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक ज्ञारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग के लिए एक अभियान हो रहा है। इस कार्यक्रम में विविध कार्यक्रमों के लिए एक संस्कृत विभाग और विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ. धौली कार्यालय के लिए एक अभियान हो रहा है।

मंत्री परम्परा गांवों में जनसंवाद कर सुनी गामीणों की समस्या, किया निदान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक ज्ञारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग के लिए एक अभियान हो रहा है। इस कार्यक्रम में विविध कार्यक्रमों के लिए एक संस्कृत विभाग और विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों में डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. पीडी तिवारी, डॉ. उमाशंकर मिश्न, डॉ

सोआ बना देश का 14वां सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय

आजाद सिपाही संबाददाता



भुवनेश्वर। स्थानीय शिक्षा और अनुसंधान (सोआ) डीम्ड विश्वविद्यालय का दृश्य दिवा गया है। राष्ट्रीय संस्थान रैकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैकिंग के 9वें संरक्षण में सोआ ने देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में 14वां स्थान हासिल करके एक प्रयोगान की बढ़त हासिल की है।

इसी तरह, शैक्षणिक संस्थानों की सम्प्रग्र सूची में सोआ छिले दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय ने की। पिछले साल सोआ को देश में 15वां स्थान मिला था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नवी दिल्ली में एनआईआरएफ रैकिंग की घोषणा की है।

को। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री श्री मुकुंद मजूमदार उपस्थित थे।

इसी तरह, शैक्षणिक संस्थानों की घोषणा सोमवार को नई दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय ने की।

पिछले साल सोआ को देश में 15वां स्थान हासिल किया गया है। और इस बार उसने 24वां स्थान हासिल किया गया है।

2016 से, सोआ ने एनआईआरएफ रैकिंग की घोषणा की है। और इस साल सुधरकर 26वीं पोजीशन पर पहुंच

गयी है। सोआ को विशिक्षण विज्ञान श्रेणी में देश में 21वां और दंत चिकित्सा और कानून श्रेणी में 22वां स्थान दिया गया है। इसी तरह, सोआ ने प्रबन्ध विज्ञान श्रेणी में 62वां और अनुसंधान श्रेणी में 50वां स्थान हासिल किया गया है।

सोआ के दो शैक्षणिक संस्थान, कैकलटी औंफ लॉ (सोआ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ) और फैकल्टी औंफ डेंटल साइंसेज (इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज) नौवां स्थान हासिल कर शीर्ष दस की सूची में हैं। सोआ को 2022 में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएसी) द्वारा प्रथम स्थान बनाने के लिए, कड़ी मेहनत जारी रखने का आह्वान किया।

प्राप्त हुआ सोआ के संशालक अध्यक्ष प्रो (डॉ) मनोजराजन नायक ने इस अवसर पर खुशी व्यक्त की और विश्वविद्यालय के संकाय, शोधकालीन और कर्मचारियों को बधाई दी और उन्हें सोआ को और अधिक ऊंचाई पर पालने के लिए जारी रखने के लिए प्रोत्पाति किया। सोआ कुलपति प्रोफेसर प्रवीन कुमार नंद ने विश्वविद्यालय की इस सफलता के लिए सभी को धन्यवाद दिया और विश्वविद्यालय से अगले 5 वर्षों में देश के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में स्थान बनाने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखने का आह्वान किया।

कोने से हर भारतीय इस अभियान से जुड़ गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने सोमवार को लोक सेवा भवन में 'जय हिंद' नाम के साथ 'हर घर तिरंगा अभियान' के कैनवास पर हस्ताक्षर किये। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज लहराकर सम्मान जताया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे लिए बहुत सम्मान और गौरव का विषय है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रयोक्ता नायक को आत्मविनाश के महत्व के बारे में जागरूक करना है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर मुख्यमंत्री ने सभी से अगे बढ़कर अभियान में सामिल होने का अनुरोध किया। इसके अलावा, कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री प्रधानी परिंदा, राजस्व मंत्री सुरेश पुराणी, कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंद्र, मर्यादा और पशुधन विकास मंत्री गोकुलांद मल्लिक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

एप्पॉइंटमेंट सेवा को नियमित किया गया।

आजाद सिपाही संबाददाता



को वृद्धि के साथ हासिल किये गये।

उल्लेखनीय है कि नालको पिछले कुछ वर्षों में मजबूत कारोबारी प्रदर्शन करते हुए एल्यूमिनियम और एल्यूमिनियम सूची में बेहतर वित्तीय मापदंड दर्ज कर रहा है।

नालको ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (5 अंकित मूल्य पर 40%) का अंतिम लाभांश भी घोषित किया है। नालको के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध

भुवनेश्वर में सोमवार को नियमित वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के नवीजे शुद्ध लाभ 72% बढ़ कर 601 करोड़ हुआ।

भुवनेश्वर खान मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के ह्यनवरलॉ लोक उद्यम तथा देश के अग्रणी एल्यूमिनियम और एल्यूमिनियम उत्पादक एवं नियोजक नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिपिमेड (नालको) की वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को सोमवार को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए एक ठोस शुरुआत की है।

भुवनेश्वर को नियमित वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के असाधारण प्रदर्शन के साथ शानदार परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए